न्यूज़ टाइम्स पोस्ट

वर्ष : 06 अंक : 08 | हिन्दी पाक्षिक | 01 - 15 दिसम्बर, 2021 | मूल्य :₹ 60 | www.newstimespost.com

UPHIN/2016/71925

बढ़ते प्रदूषण ने बढ़ाई चिंता

विशेष

वापस होंगे कृषि कानून

पीएम मोदी ने किया पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन

करेंट अफेयर्स

पूर्वोत्तर को अशांत करने की ड्रैगन की साजिश

अमृत महोत्सव

1857 की क्रांति और मेवाड़

अनूठी पहल

टी.ई.एस.एस. एक प्रायोगिक प्रयास

Available Online on

- https://www.magzter.com/
- https://www.readwhere.com/
- http://www.emagplus.com/

www.twitter.com/newstimespost

www.facebook.com/newstimespost

RNI No. UPHIN/2016/71925 www.newstimespost.com/hindi

न्यूज़ टाइम्स पोस्ट

सम्पादक
सौरभ मिश्रा

कार्यकारी सम्पादक
भास्कर दूबे

वरिष्ठ समाचार सम्पादक*
शिव प्रसाद सिंह

सहायक सम्पादक
धर्मेन्द्र त्रिपाठी

वरिष्ठ उप सम्पादक
अरशद काजी

उप सम्पादक
अभिषेक सिंह

विधि संवाददाता
शिवानी मिश्रा

संवाददाता
रजनीश वर्मा
अभिमन्यु वर्मा

फोटो जर्नलिस्ट
मोहम्मद अतहर रज़ा

कार्यालय सहायक
हसीब अहमद

विपणन एवं प्रसार
हरिओम कुमार पाण्डेय
मो. 7275287153

कृषि कानून होंगे वापस

कृषि कानूनों की वापसी के निहितार्थ 04

आवरण : अरशद काजी : 9455511178

कृषि कानून होंगे वापस	इस निर्णय से बढ़ा मोदी का कद	08
बढ़ता प्रदूषण	जानलेवा प्रदूषण की चादर में लिपटी दिल्ली	26
करेंट अफेयर्स	पूर्वोत्तर को अशांत करने की ड्रैगन की साजिश	32
अमृत महोत्सव	1857 की क्रांति और मेवाड़	38

आवरण कथा

बढ़ते प्रदूषण ने बढ़ाई चिंता

10 — 29

स्थायी स्तम्भ

विश्व वार्ता 48
चीन अब आर्थिक सुपर पावर

जीवन-दर्शन 55
संभल कर करें प्रकृति का दोहन

इंके की चोट पर 57
ऐसे माफी कौन मांगता है...

रंगमंच 59
सहज अभिनय के पर्याय : अशोक कुमार

अन्तिम पोस्ट 60
सर्वे में तो उत्तर प्रदेश जीत रही भाजपा!

विद्या भारती

व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण 34

सम्पादकीय कार्यालय
बी- 1/80 सेक्टर जी, जानकीपुरम, निकट विशाल हॉस्पिटल, लखनऊ, उ.प्र.
फोन नं. - 0522-2362538
लखनऊ - 226021
ई-मेल: editor@newstimes.co.in
info@newstimes.co.in
Helpline No. 7-376-376-376

वर्ष : 06 | अंक : 06 | हिन्दी पाक्षिक |
कुल पेज : 60+4 = 64, जारी करने की तिथि : 27 नवम्बर, 2021
अंक अवधि : 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर, 2021

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सौरभ मिश्रा द्वारा साईं आर्ट प्रेस, प्लाट नं.-180, टी स्क्वायर कॉम्प्लेक्स, खुर्रमनगर, लखनऊ, पिन-226006 से मुद्रित एवं बी-1/80, सेक्टर-जी, जानकीपुरम, जिला-लखनऊ, पिन नं.-226021 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

*पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार किसी तरह के कानूनी विवाद का निपटारा लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।

बढ़ते प्रदूषण ने बढ़ाई चिंता

जीवन के लिए खतरा बना वायु प्रदूषण

आज वैश्विक तापमान व जलवायु परिवर्तन बढ़ने के दो मुख्य कारक हैं - वाहनों की बढ़ती संख्या से हाइड्रोकार्बन ईंधन का अनाप-शनाप दोहन और औद्योगिकीकरण की बेतहाशा दौड़ द्वारा रहन-सहन में परिवर्तन। आज एक तरफ जीवनदायिनी ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों की कटाई चरम पर है, परंतु उसके लगाने की दर नगण्य है। ऐसे में प्रकृति से अनावश्यक रूप में छेड़-छाड़ की जा रही है। 'द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी-2020' के अध्ययन के अनुसार, वायु प्रदूषण को भारत में सबसे बड़ा हत्यारा मना गया है। वायु प्रदूषण ने 2019 में भारत में अनुमानित 1.67 मिलियन (16.7 लाख) लोगों की जान ले ली। यह आंकड़ा अब बढ़कर 27.6 लाख तक पहुंच गया है। अगर हम प्रदूषण से निपटने के लिए जल्द ही प्रभावी कदम नहीं उठाते हैं तो प्रत्येक वर्ष प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी होती रहेगी और भारत में मृत्यु दर बढ़ती रहेगी।

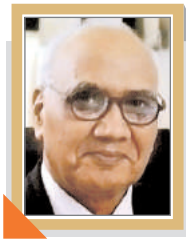

डॉ. भरत राज सिंह
पर्यावरणविद् व महानिदेशक
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस
लखनऊ
मो. 9415025825

वैश्विक तापमान व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारक विश्व जनसंख्या में वृद्धि है, जो पिछले एक सदी के भीतर बहुत अधिक बढ़कर अप्रैल 2021 तक 7.7 बिलियन आंकी गई है। गौरतलब है कि दुनिया की आबादी को एक बिलियन तक पहुंचने में मानव इतिहास को 2,00,000 वर्ष लग गए और पिछले 200 वर्षों के भीतर ही यह 7 बिलियन तक पहुंच गई। अनुमान है कि वर्ष 2050 में दुनिया की आबादी लगभग 10 बिलियन और 2100 में 11 बिलियन से अधिक हो जाएगी।

आज वैश्विक तापमान व जलवायु परिवर्तन बढ़ने के दो मुख्य कारक हैं - वाहनों की बढ़ती संख्या से हाइड्रोकार्बन ईंधन का अनाप-शनाप दोहन और औद्योगिकीकरण की बेतहाशा दौड़ द्वारा रहन-सहन में परिवर्तन। आज एक तरफ जीवनदायिनी ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों की कटाई चरम पर है, परंतु उसके लगाने की दर नगण्य है। ऐसे में प्रकृति से अनावश्यक रूप में छेड़-छाड़ की जा रही है। हम जानते हैं कि पृथ्वी के चारों तरफ 10-15 किलोमीटर की ऊंचाई पर ओजोन की परत फैली हुई है, जिससे सूर्य से निकलने वाली पैरा बैंगनी किरणें धरती पर नहीं आ पातीं और सभी जीव-जन्तु कैंसर, हृदय रोग, लीवर की बीमारी से बचे रहते हैं। इतना ही नहीं, इससे फसलों को भी नुकसान नहीं पहुंचता है।

इसी प्रकार ग्रीन हाउस गैसों की अधिकता दिन-प्रतिदिन बढ़ने से 05-10 किलोमीटर की ऊंचाई पर धरती के चारों तरफ ये गैस एकत्रित हो रही है और पृथ्वी पर सूर्य की किरणों से उत्पन्न रेडिएशन ग्रीन हाऊस गैस की मोटी परत से, पुनः धरती पर वापस लौटने से वैश्विक तापमान में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है।

वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य व मृत्यु दर पर असर

वायु प्रदूषण और कोविड-19 संचरण और संक्रमण के बीच संबंध पर अनिश्चितता बहुत अधिक है। हाल ही में हुए एक अध्ययन में यह सामने आया है कि भारत में मार्च 2020 से मई-जून 2021 तक वायु प्रदूषण अब सभी स्वास्थ्य जोखिमों में से मौतों का सबसे बड़ा जोखिम कारक है और नवजात के लिए एक उच्च जोखिम कारक है।

'द ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी-2020' के अध्ययन के अनुसार, वायु प्रदूषण को भारत में सबसे बड़ा हत्यारा मना गया है। वायु प्रदूषण ने 2019 में भारत में अनुमानित 1.67 मिलियन (16.7 लाख) लोगों की जान ले ली। यह आंकड़ा अब बढ़कर 27.6 लाख तक पहुंच गया है। भारत में मृत्यु के अन्य शीर्ष जोखिम कारक उच्च रक्तचाप, तंबाकू का उपयोग, खराब आहार और उच्च रक्त शर्करा के स्तर हैं।

खतरनाक हुआ वायु प्रदूषण

हम जानते है कि वायु प्रदूषण में सबसे खतरनाक 'पीएम 2.5' के कण हैं जो 2.5 माइक्रॉन के कण होते हैं और उनकी संख्या यदि एक वर्ग मीटर के आयतन मे 50 से अधिक होती है तो वह शरीर के लिए नुकसानदायक हो जाती है। 'पीएम 2.5' के ये कण जब फेफड़ों के अंदर पहुंच जाते हैं तो वहां ही चिपक जाते हैं और बाहर नहीं निकलते हैं, जिससे सांस की नली में अवरोध हो जाता है और व्यक्ति दमा की बीमारी से ग्रस्त हो जाता है। इससे सबसे ज्यादा बच्चे और बुजुर्ग प्रभावित होते हैं। रही बात 'पीएम 10' कई कणों की तो वह यदि एक वर्ग मीटर के आयतन में 100 से अधिक पाए जाते हैं तो ही शरीर के लिए नुकसानदायक होते हैं। हालांकि इन कणों की माप बड़ी होने से छींकने व सफाई करने से सांस नली से काफी मात्रा में बाहर निकल आते हैं, परंतु अधिक मात्रा में होने से ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।

लखनऊ के गोमतीनगर में पीएम-2.5 व पीएम-10 की स्थिति

दिनाँक	पीएम 2.5	पीएम 10	दिनाँक	पीएम 2.5	पीएम 10
01-11-2021	189.3	220.5	11.11.2021	255.0	262.3
02-11-2021	212.6	254.0	12.11.2021	300.8	303.6
03-11-2021	138.0	253.0	13.11.2021	222.3	225.9
04.11.2021	302.9	1084.2	14.11.2021	253.0	258.8
05.11.2021	133.0	161.0	15.11.2021	294.5	304.1
06.11.2021	221.5	246.9	16.11.2021	197.8	207.2
07.11.2021	275.7	273.1	17.11.2021	209.1	230.2
08.11.2021	271.4	309.0	18.11.2021	230.0	231.0
09.11.2021	282.2	285.0	19.11.2021	236.7	236.3
10.11.2021	272.1	274.0	20.11.2021	230.0	231.0

01 नवम्बर, 2021 से 20 नवम्बर, 2021 तक का आँकड़ा

ऊपर दी गई तालिका से यह स्पष्ट हो रहा है कि लखनऊ में कुछ स्थानों को छोड़कर पीएम-2.5 व पीएम-10 लगभग 'बहुत खराब अथवा खतरनाक' स्थिति से गुजर रहा है, जबकि दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद लगातार बहुत खतनाक स्थिति में रहे हैं। हालांकि दीवाली के दिन पीएम-10 की स्थिति 1000 से ऊपर हो गई थी, जो दूसरे दिन ही लगभग सामान्य हो गई। अतः यह एक तरह से भ्रम फैलाना है कि दीवाली पर पटाखे छोड़ने व पराली जलाने से वायु प्रदूषण 'बहुत खतरनाक' स्थिति में हो जाता है। इस पर भारत सरकार व प्रदेश सरकारों को मिलकर स्थायी योजना बनाने की आवश्यकता है।

देशवासियों को यह जानकर आश्चर्य नहीं होना चाहिए कि 20 नवम्बर, 2021 को जब प्रदूषण की स्थिति भारतवर्ष मे 'बहुत खराब अथवा खतरनाक' स्थिति से गुजर रही है, तो उस समय पीएम-2.5 व पीएम-10 की मात्रा अमेरिका में 23, लंदन में 21, आबूधाबी में 27 और ऑस्ट्रेलिया में 17 थी, जो बहुत अच्छे की श्रेणी में आता है। यहां लोगों की सेहत के लिए ऑक्सीजन प्रचुर मात्रा में है।

जब बरसात व ठंड के मौसम में यानी दशहरे व दीवाली के बाद वायुमण्डल में उपलब्ध पानी की बूंदें ओस के रूप में बढ़ी हुई ग्रीन-हाउस गैस पर दबाव डालती है, जिससे ग्रीन हाउस गैस पृथ्वी के नजदीक आकर फॉग (धुंध) के रूप में बढ़ जाती है और हवा में पीएम-2.5 धीरे-धीरे बढ़ता रहता है। दीवाली के पटाखों व पराली जलने से इस समस्या में 4 से 10 प्रतिशत की ही बढ़ोतरी मानी जा सकती है। अतः इस अन्तराल में गाड़ियों के आवागमन में कमी करनी होगी अथवा लॉकडाउन जैसे प्रभावी कदम उठाने पड़ेंगे अन्यथा प्रत्येक वर्ष प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी होती रहेगी और भारत में मृत्यु दर बढ़ती रहेगी।

पीएम-2.5 का स्तर

0-50 तक - अच्छा
51-100 तक - औसत
101-200 तक - खराब
201-300 तक - बहुत खराब
300-400 तक - खतरनाक
400 से ऊपर - अत्यंत खतरनाक

माना जाता है और जब पीएम-2.5 की लगातार स्थिति 'अत्यंत खतरनाक' बनी रहती है तो कैन्सर, लंग, किडनी आदि के कारण मृत्यु दर में इजाफा होता है। यही स्थिति विश्व में भारत की बनी हुई है और विश्व के 20 अधिकतम प्रदूशित शहरो में 16 शहर भारत वर्ष के है।

प्रदूषण से निपटने के कुछ उपाय

प्रदूषण से निपटने के कुछ उपाया मेरे द्वारा पिछले 5-7 सालों से सुझाए जा रहे हैं, परंतु अब भी प्रभावी कदम नही उठाए जा रहे हैं। आइए इन उपायों पर एक नजर डालते हैं -

तात्कालिक उपाय

- कृत्रिम बारिश कराई जाए।
- सड़कों, पेड़ों व घरों आदि के आस-पास पानी का छिड़काव किया जाए।
- भवन निर्माण व धूल उड़ाने वाले कार्य स्थगित कर दिए जाएं।
- पराली न जलाई जाए और न ही दीवाली तथा शादी आदि में पटाखे जलाए जाएं।
- निजी वाहनों का उपयोग कम किया जाए तथा दो से अधिक वाहन रखने वालो पर नगर-पालिका द्वारा अधिक टैक्स लगाया जाए।

स्थायी उपाय

- किसी भी सड़क का निर्माण शुरू होने पर किनारे बड़े व फलदार पेड़ लगाए जाएं।
- हाई-वे, एक्सप्रेस-वे आदि का निर्माण प्रारम्भ पर दोनों तरफ के किनारों पर तीन-लेयर में फलदार पेड़ लगाए जाएं।
- शहर में पार्क व खुली जगह तथा सड़क के किनारे फलदार पेड़, जैसे आम, महुआ, बरगद, पाकड़ आदि लगाए जाएं तथा तालाब भी बनवाए जाएं जिससे पानी का रिचार्ज व पेड़ों की वृद्धि भी बनी रहे।